पाठ 5 - अक्षरों का महत्व

पष्ठृ संख्या:38

प्रश्न अभ्यास

निबधं से

1. पाठ मेंऐसा क्यों कहा गया हैकक अक्षरों केसाथ एक नए यगु की शरुआत हुई?

उत्तर

अक्षरों केसाथ एक नए यगु की शरुआत हुई क्योंकक इसकेपहलेमानव सभ्यता कलकित इकतहास नहीं कमलता है।अक्षरों ि ोज केबाद ही एक पीढ़ी केज्ञान का इस्तेमालदसरी ू पीढ़ी कर पायी कजससे मनष्यु प्रगकत केपथ पर बढ़ सका।

2. अक्षरों की ि ोज का कसलकसला कब और कै सेशरू ु हआु? पाठ पढ़कर उत्तर कलिो।

उत्तर

प्रागैकतहाकसकमानव नेसबसेपहलेकित्रों केजररए अपनेभाव को व्यक्त ककया। जैसे,पशओु,ं पकक्षयों, आदकमयों आकद केकित्र। इन कित्र-सकेतों ं केबाद में,भाव-सकेतं अकस्तत्व मेंआए। जैसे, एक छोटेवत्तृ केिहुककरणोंँ की द्योतक रेिाएुँिींिनेपर वह 'सयू' का कित्र बन जाता था। बाद में यही कित्र 'ताप' या 'धपू' का द्योतक बन गया। इस तरह भाव-सकेतं अकस्तत्व मेंआए। किर जाकर कािी बाद मेंआदमी नेअक्षरों की िोज की।

3. अक्षरों केज्ञान सेपवयूमनष्ु अपनी बात को दरू-दराज़ केइलाकों तक पहुिानेँकेकलए ककन-ककन माध्यमों का सहारा लेताथा?

उत्तर

अक्षरों केज्ञान सेपवयूमनष्यु अपनी बात को दरू-दराज़ केइलाकों तक पहिानेु ँकेकलए पशओु,ं पकक्षयों, आदकमयों आकद केकित्र बनाकर भाव सकेतं का सहारा लेताथा।

4. 'भाषा का कवकास पहलेहआु, अक्षर और कलकप का बाद में।बोली गयी भाषा को अक्षरों की

मदद सेकलिा जा सकता है।कई लोग ऐसेभी होतेहैंजो अक्षर नहीं पहिानतेपर भाषा अच्छी तरह

जानतेहैं।"

ऊपर की पकक्तयोंं को ध्यान मेंरितेहए भाषा और अक्षर केसबंधोंं केबारेमेंएक अनच्छेदु कलिो।

उत्तर

भाषा का आरम्भ मानव की उत्पकत्त केसाथ हआ।ु शरुआत मेंमानव नेसबसेपहलेकित्रों केजररये अपनेभावों को व्यक्त ककया। अपनी बातों को समझानेलेकलए कित्र-सकेतोंं केबाद मानव नेभाव-सकेतोंं का सहारा कलया। धीरे-धीरेकवकास केगकत बढ़नेकेसाथ ही ध्वकन का कवकास हआ।ु मानव अपनेकविारों को ध्वकन केद्वारा एक-दसरेूतक पहाु ँ सकतेथे।इस तरह भाषा का कवकास होता गया। अक्षरों

केप्रिलन नेमानव कवकास को अभतपूवयूगकत दी तथा भाषा को कशिर तक पहाुँ कदया। मानव अब अपनेकविारों और इकतहास को अक्षरों मेंसहेजकर रि रिनेलगा। भाषा और अक्षर एक दसरेूकेपरकू हैं।कई लोग भाषा को अच्छी तरह बोल पातेहैंपरन्त ुउन्हेंअक्षर मेंढाल नहीं पातेहैं।येलोग अपनेकविारों को सहेजकर रि नहीं पातेऔर दसरेूकेकविारों को पढ़ नहीं पातेकजस कारण येएक सीकमत जीवन जीतेहैं।अक्षरों द्वारा लेिनकाययभाषा का अटूट अगं है। आज केदकनयाु मेंअक्षरों केकबना भाषा की कल्पना नहीं की जा सकती।

निबधं सेआगे

1. अक्षरों केमहत्व की तरह ध्वकन केमहत्त्व केबारेमेंकजतना जानतेहो उसेकलिो।

उत्तर

ध्वकन हमारेकविारों को बोलकर प्रस्ततु करनेका साधन है।यह भाषा की सबसेछोटी इकाई है।इनके द्वारा ही हम एक दसरेूसेबातीत करतेहैं।यह हमारेकलए बहतु महत्वपणयूहै।

2. परानेुज़मानेमेंलोग यह क्यों सोि◌तेथेकक अक्षर और भाषा की ि◌◌ोज ईश्वर नेकी थी? अनमानु लगाओ और बताओ।

उत्तर

परानेुज़मानेमेंलोग यह इसकलए सोि◌तेथेकक अक्षर और भाषा की ि◌◌ोज ईश्वर नेकी क्योंकक उन्हें इनकेइकतहास केबारेमेंजानकारी नहीं थी। यह कब और कै सेशरू◌ु हआ।◌ु

पष्ठृ सख्यां: 39

भाषा की बात

• **अि◌ानि काल** मेंरिांककत शब्द का अथयहैकजसकी कोई शरुआत या न हो। नीि◌◌ेकदए गए शब्द भी मलू शब्द केशरू◌ु मेंकुछ जोड़नेसेबनेइसेउपसगयकहतेहैं।इन उपसगों को अलग करकेकलिो

और मलू शब्दों को कलिकर उनका अथयसमझो -

असिल

अदृश्य

अनकितु

अनावश्यक

अपररकित

अकनच्छा

(क) अब बताओ कक येउपसगयकजन शब्दों केसाथ जड़ु रहेहैंक्या उनमेंकोई अतरं है?

(ि) उपयक्तयु शब्दों सेवाक्य बनाओ और समझो कक येसंज्ञा हैंया कवशेषण।वैसेतो सख्याएुँ ंसज्ञां

होती हैंपर कभी-कभी येकवशेषणका काम करती हैं,जैसेनीि ेकलिवाक्य में-हमारी धरती लगभग **पाँचअरब** साल परानी ु है।

कोई **बीस हज़ार** साल पहले आदमी ने गाँवों को बसाना शुरू किया।

इन वाक्यों में रेखांकित अंश 'साल' संज्ञा के बारे में विशेष जानकारी दे रहे हैं, इसलिए संख्यावाचक

विशेषण हैं। संख्यावाचक विशेषण का इस्तेमाल उन्हीं चीज़ों के लिए होता है जिन्हें गिना जा सके। जैसे, चार सतरें, पाँच बच्चे, तीन शहर आदि। पर यदि किसी चीज़ को गिना नहीं जा सकता तो उसके साथ संख्या वाले शब्दों के अलावा माप-तौल आदि के शब्दों का इस्तेमाल भी किया जाता है

-

- तीन जग पानी
- एक किलो ज़ीरा

यहाँ रेखांकित हिस्से परिमाणवाचक विशेषण हैं क्योंकि इनका संबंध माप-तौल से है। अब नीचे लिखे हुए को पढ़ो। खाली स्थानों में बॉक्स में दिए गए माप-तौल के उचित शब्द छाँटकर लिखो।

प्याला कटोरी एकड़ मीटर लीटर किलो ट्रक चम्मच

1. तीन................ खीर
2. दो..................... ज़मीन
3. कपड़ा

छह..................

4.
एक.....................   रेत

दो..................
                                        कॉफ़ी
5. ·

पा◌ु◌ँ◌ि.......   बाजरा
6. ....
7.
एक................   दध
                                  ◌ू
तीन................
8. ...   तेल

उत्तर

(अ) उपसगय+ मलू शब्द

अ+ सिल

अ+ दृश्य
अन ◌ु+
उकित

अन + आवश्यक

अ +
पररकित

अन +
इच्छा

हा◌ु◌ँ,उपसगयकेजड़नुेसेअथयमेंअतरं आ रहा है।उनकेअथयमलू शब्द
सेकवपरीत हो रहेहैं।

1. तीन कटोरी ि◌◌ीर
2. दो एकड़ ज़मीन
3. छह मीटर कपड़ा
4. एक ट्रक रेत
5. दो प्याला कॉफ़ी
6. पा◌ु◌ँि◌ककलो बाजरा
7. एक लीटर दधू
8. तीन ि◌म्मि तेल